

प्रेषक,

सुबर्द्धन,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवामें,

सचिव,
उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी,
हरिद्वार।

माध्यमिक शिक्षा / संस्कृत अनुभाग-4

देहरादून: दिनांक: 23 सितम्बर, 2008

विषय:- उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी को अकादमी के कार्यकलापों हेतु धनराशि स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक-उ०सं०अ०/बजट/1274 (4)/एक-5 /2006-07 दिनांक 02 जुलाई 2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2008-09 में उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी, हरिद्वार के सामान्य क्रिया कलापों के लिये निम्नांकित विवरणानुसार रू० 92.50 लाख (रू० नानवे लाख पचास हजार मात्र) मात्र की धनराशि के व्यय की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्र०सं०	मद का नाम	प्रस्तावित व्यय (रू० में)
1	कार्य योजना- प्रतियोगिताएं शिक्षणप्रशिक्षण परियोजनाएं सम्मेलन व गोष्ठियां पुस्तक प्रकाशन आदि सम्मान एवं पुरस्कार नाट्ययात्रा संस्कृत विद्यालयों में कम्प्यूटर शिक्षण योजना	5982311
2	यात्रा व्यय-	100000
3	अधिकारी/कर्मचारी वेतन एवं संविदा कर्मचारी पर व्यय-	1587689
4	कार्यालय व्यय-	75000
5	फर्नीचर, आलमारी क्रय पर व्यय-	150000
6	आथित्य सत्कार व्यय-	50000
7	सम्परीक्षा एवं चार्टट एकाउण्टेंट शुल्क व्यय-	5000

8

8	उपकरण क्रय व्यय-	500000
9	लेखन-सामग्री एवं छपाई व्यय-	100000
10	टेलीफोन व्यय-	50000
11	विज्ञापन व्यय (सामान्य एवं निविदा) व्यय-	100000
12	पुस्तक क्रय व्यय-	50000
13	मा० उपाध्यक्ष जी से सम्बन्धित व्यय-	100000
14	नए भवन की आन्तरिक साज-सज्जा पर व्यय-	100000
15	विद्युत व्यय-	150000
16	वाह्य परिसर सौन्दर्यीकरण व्यय-	150000
	योग	92,50,000

(रु० नब्बे लाख पचास हजार मात्र)

- उक्त मदों में स्वीकृत धनराशि का व्यय करने के लिये शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत मित्तव्ययता सम्बन्धी आदेशों का पालन किया जाना होगा। उक्त धनराशि का आहरण/व्यय त्रैमासिक फेजिंग के आधार पर सुसंगत नियमों के आलोक में किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- स्वीकृत की गई धनराशि जिला शिक्षा अधिकारी हरिद्वार के प्रतिहस्ताक्षर करने के उपरान्त अकादमी द्वारा आहरित की जायेगी।
- स्वीकृत धनराशि के उपयोग एवं सामग्री क्रय के सम्बन्ध में वित्तीय हस्त पुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008, स्टोर परचेज नियम एवं शासन द्वारा निर्गत समस्त शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा धनराशि व्यय कर मदवार व्यय विवरण तथा उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जायेगा एवं अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में धनराशि का व्यय कदापि न किया जाय।
- संविदा पर रखे गये कार्मिकों के विनियमितकरण का कोई दावा मान्य नहीं होगा। अकादमी द्वारा संविदा पर कार्मिकों को नियमानुसार किये गये भुगतान के सम्बन्ध में शासन को भी अवगत कराया जायेगा। स्वीकृत पदों के सापेक्ष वेतन/मानदेय/अन्य सुविधाओं की देयता उक्त से संबंधित सुसंगत शासनादेशों के आधार पर ही नियमानुसार किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय भार वर्तमान वित्तीय वर्ष 2008-09 अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखा शीर्षक- 2202 सामान्य शिक्षा-03- विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा- 104- अशासकीय कालेजों और संस्थानों को सहायता-05- वेतन पुनरीक्षण के फलस्वरूप अधिष्ठान व्यय में वृद्धि आयोजनागत-00-0504- उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी को सहायता अनुदान-20-सहायक अनुदान/ अंशदान/राज सहायता के नामें डाला जायेगा।

9

7. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 317(P)/XXVII (3)/2008-09/2008 दिनांक 15 सितम्बर, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं ।

भवदीय,
(सुबिद्धन)
अपर सचिव ।

संख्या 114 (1)/XXIV-4/2008 तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून ।
2. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी ।
3. आयुक्त गढ़वाल मण्डल/कुमायूं मण्डल ।
4. कुलपति उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार ।
5. कुलपति, हे0 न0 बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर गढ़वाल ।
6. कुलपति, कुमायूं विश्वविद्यालय, नैनीताल ।
7. मण्डलीय अपर/संयुक्त निदेशक संस्कृत शिक्षा, गढ़वाल मण्डल पौड़ी/कुमायूं मण्डल, नैनीताल ।
8. समस्त जिलाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड ।
9. समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड ।
10. निदेशक एन0आई0सी0 उत्तराखण्ड ।
11. वित्त (व्यय नियन्त्रण) अनुभाग-3 उत्तराखण्ड शासन ।
12. गार्ड फाइल ।

आज्ञा से,
(पी0एस0शाह)
उपसचिव ।